



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 371]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 5, 2010/आषाढ़ 14, 1932

No. 371]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 5, 2010/ASADHA 14, 1932

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

सा.का.नि. 577(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) सं. सा.का.नि. 571 (अ), तारीख 4 अगस्त, 2008 के अधीन प्रकाशित, भारत सरकार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग) की अधिसूचना सं. 571 (अ), तारीख 4 अगस्त, 2008 में, —

- (i) पृष्ठ 1, पंक्ति 5 में, “मानव अंग प्रतिरोपण (संशोधन) नियम, 2008 में” के स्थान पर, “मानव अंग प्रतिरोपण नियम, 1995 में” पढ़ें; और
- (ii) पृष्ठ 7, पंक्ति 10 और पंक्ति 11 में, “प्राधिकार समिति अपने दृश्य करने के प्रक्रिया में तेजी लाएगी और अपने विवेकाधिकार का न्यायसम्मत और तर्कसम्मत ऐसे सभी मामलों में प्रयोग करेगा जहां रोगी को तुरंत प्रतिरोपण की आवश्यकता है।” के स्थान पर, “प्राधिकार समिति, सभी ऐसे मामलों में, जहां रोगी को तुरंत प्रतिरोपण की आवश्यकता है, कारणों को अभिलिखित करने के पश्चात्, अपनी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में तेजी लाएगी और अपने विवेकाधिकार का न्यायसम्मत और तर्कसम्मत रूप में प्रयोग करेगी।” पढ़ें।

[फा. सं. एस. 12011/12/2007-एम.एस.]

वी. पी. सिंह, उप-सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health and Family Welfare)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th June, 2010

G.S.R. 577(E).—In the notification of the Government of India Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health and Family Welfare), G.S.R 571 (E), dated the 4th August, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 571 (E), dated the 4th August, 2008,—

- (i) at page 17, in line 10, for “In the Transplantation of Human Organs (Amendment) Rules, 2008”, read “In the Transplantation of Human Organs Rules, 1995”; and
- (ii) at page 24, in lines 32-34, for “The authorisation committee shall expedite its decision making process and use its discretion judiciously and pragmatically in all such cases where, the patient requires immediate transplantation”, read “The Authorisation Committee shall expedite its decision making process and use its discretion judiciously and pragmatically after recording the reasons in all such cases where, the patient requires immediate transplantation.”

[F.No.S. 12011/12/2007-MS]

V. P. SINGH, Dy. Secy.